हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 24 अक्टूबर 2025

तापमान
अधिकतम 33.6 डिग्री
न्यूनतम 15.6 डिग्री

सौ से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में अपनी ... 11

गुलदाउदी की महक से महकेगा एमडीयू ... 12

शहर में आज

- रोडवेज डिपो में कर्मचारियों की मीटिंग।
- अंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन।

खबर संक्षेप

युवक को नशीले पदार्थ सहित किया गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस की टीम ने युवक को नशीले पदार्थ सहित काबू किया गया है। युवक से 05 ग्राम 860 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुआ है। आरोपी को पेश अदालत किया गया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग अंकित कर कार्यवाही की गई हैं। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। प्रभारी एएनसी स्टाफ पीएसआई मनोज कुमार ने बताया कि एएसआई संदीप के नेतृत्व में एएनसी की टीम जेपी कॉलोनी के पास गश्त में मौजूद थी। दौराने गश्त युवक को शक के आधार पर काबू किया गया।

60 हजार की ठगी करने वाला तीसरा आरोपी काबू

रोहतक। पुलिस की टीम ने 60 हजार रुपये की हुई ठगी की

वारदात में शामिल तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया। थाना महम के एसआई सुभाष ने बताया कि सीसर खास निवासी रामवीर की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरु की गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि एक सितम्बर को रामवीर के पास फोन आया कि युवक ने रामवीर के पास गलती से 50 हजार रुपये भेज दिये। युवक ने रामवीर को कहा कि वह अपना नम्बर भेज रहा है। युवक ने रामवीर को बातो मे उलझा कर 60 हजार रुपये ट्रांसफर करवा लिये।

हरीश जोगी बने इनेलो शहरी हलका युवा प्रधान

रोहतक। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला, प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा, इनेलो के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष करण चौटाला, युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद गोस्वामी की सलाह पर जिला रोहतक की युवा इकाई के अध्यक्ष बल्लू खेड़ी साध ने हरीश जोगी को रोहतक शहरी हल्का युवा प्रधान, अशोक पावडिया को युवा हल्का शहरी संयोजक, निशांत ढाका को हल्का कलानौर का युवा विंग प्रधान, पवन सिवाच को महम युवा इकाई का प्रधान तथा सोनू कसरेंटी को गढ़ी-सांपला किलोई का युवा विंग का प्रधान नियुक्त किया गया है।

आज होगा कृषि आउटरीच कार्यक्रम

रोहतक। पंजाब नेशनल बैंक द्वारा 24 अक्टूबर को पैन इंडिया में कृषि आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषि ऋण के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी उपलब्ध करवाना एवं इसकी स्वीकृति में लगने वाले समय को कम कर मौके पर ही स्वीकृति देना है। बैंक की रोहतक मंडल प्रमुख आरजू प्रवीन ने सभी कृषकों से अपील की है कि वे इस कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर कृषि ऋण संबंधित योजनाओं का पूरा लाभ उठाए।

23-29 तक बायोएथिक्स और जीसीपी पर कोर्स

रोहतक। पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के मल्टी-डिसिप्लिनरी रिसर्च यूनिट द्वारा 23 से 29 अक्टूबर तक बायोएथिक्स और गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस पर ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। गुरुवार को इसका ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन पीजीआई के निदेशक डॉ. एसके सिंघल ने किया।

गांव बनियानी में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की पुश्तैनी जमीन में से करीब डेढ़ एकड़ उनके हिस्से में आई थी

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने पुश्तैनी डेढ़ एकड़ जमीन बेचकर मिली धनराशि प्रधानमंत्री राहत कोष में दी

पुश्तैनी घर मां शांति देवी पुस्तकालय के नाम पर दान करने का कर चुके हैं ऐलान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी आवासन मंत्री तथा हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रोहतक जिले में स्थित अपने पुश्तैनी गांव बनियानी में करीब डेढ़ एकड़ जमीन को बेचकर मिली धनराशि प्रधानमंत्री राहत कोष में देने का ऐलान किया है। गांव बनियानी में मनोहर लाल की पुश्तैनी जमीन में से करीब डेढ़ एकड़ उनके हिस्से में आई थी। मनोहर लाल ने यह जमीन बेच दी है। जिसकी एवज में उन्हें करीब एक करोड़ रुपए मिले हैं। इसके अलावा मनोहर लाल ने अपना पुश्तैनी घर मां शांति देवी पुस्तकालय के नाम पर दान करने का ऐलान किया है। मनोहर लाल के इस आवास को पुस्तकालय में बदला जाएगा जहां ग्रामीण अंचल के बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए अनुकूल माहौल मिलेगा। यह जमीन गांव बनियानी में स्थित है, जो उनके छोटे भाई चरणजीत खट्टर की पत्नी के नाम पर दर्ज करवाई गई है। केंद्रीय मंत्री के आगमन को देखते हुए तहसील कार्यालय का स्टाफ अलर्ट रहा और चप्पे चप्पे पर पुलिस तैनात रही। वे सुरक्षा के साथ तहसील कार्यालय पहुंचे और फोटो करवाने के बाद कागजात पर हस्ताक्षर भी किए। इस दौरान जिला राजस्व अधिकारी प्रमोद चहल ने यह प्रक्रिया पूरी करवाई। मनोहर लाल का जन्म गांव निदाना में हुआ था। बनियानी गांव भी उनका पुस्तैनी गांव है। मनोहर लाल सन 2014 से 2024 तक हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे और अब उनके पास केंद्र में मंत्री पद की जिम्मेदारी है।

रोहतक। कागजात पर हस्ताक्षर करते केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी आवास मंत्री मनोहर लाल। फोटो : हरिभूमि

जनहित में नई योजनाएं लागू कर रहे सीएम : मनोहर लाल

सिंचाई विश्राम गृह में मीडिया कर्मियों से हुए रूबरू

रोहतक। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लगातार जनहित में कार्य कर रहे हैं। सिंचाई विश्राम गृह में मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जनहित में नई-नई योजनाओं को क्रियान्वित कर रहे हैं। हाल ही में दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना को प्रदेश में लागू किया गया है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि इस योजना की पात्र महिलाओं को 2100 रुपए प्रतिमाह की आर्थिक सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस योजना का और विस्तार किया जा सकता है। मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा में सर्वाधिक फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जा रहा है। बाजरा के लिए भावांतर भरपाई योजना प्रदेश में लागू की गई है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के मामले में भाजपा ने जीरो टॉलरेंस की नीति को अपनाया है।

मेट्रो से 24 शहर कवर

मेट्रो रेल के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि देश में अब तक 1100 किमी मेट्रो रेल लाइन बन चुकी है। दुनिया में मेट्रो रेल के मामले में भारत तीसरे स्थान पर है और जल्द ही दूसरा स्थान हासिल कर लिया जाएगा। मौजूदा समय में मेट्रो से 24 शहर कवर है।

स्मार्ट मीटर पर फोकस

देशभर में 10 करोड़ बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक एक करोड़ स्मार्ट मीटर लगाये जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर लगने से उपभोक्ताओं की शिकायतें दूर होगी।

चौराहों पर घंटों फंसे रहते हैं वाहन, ट्रैफिक पुलिस की तैनाती के बावजूद नहीं सुधर रहे हालात

दीपावली बीतने के बाद भी लग रहे जाम, लोग परेशान

अब सड़क किनारों पर अस्थाई दुकानें या फेरीवालों की भीड़ भी नहीं है, फिर भी जाम से नहीं मिल रहा छुटकारा

किला रोड, डी पार्क, मेडिकल मोड़, शीला बाईपास, छोटूराम चौक, कोर्ट चौक और रेलवे रोड जैसे प्रमुख मार्गों पर दिनभर ट्रैफिक जाम का आलम रहता है। वाहनों की बढ़ती संख्या और नियमों की अवहेलना बड़ी समस्या।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

दीपावली बीते चार दिन हो चुके हैं, लेकिन शहर की सड़कों पर जाम की समस्या जस की तस बनी हुई है। दीपावली जैसे बड़े त्योहार पर तो लोगों को जाम की परेशानी होना आम बात है, लेकिन अब जबकि त्योहार खत्म हो चुका है, फिर भी शहर में ट्रैफिक की स्थिति सामान्य नहीं हो पा रही है। वाहन चालक रोजाना घंटों तक सड़क पर फंसे रहते हैं, जिससे लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। किला रोड, डी पार्क, मेडिकल मोड़, शीला बाईपास, छोटूराम चौक, कोर्ट चौक और रेलवे रोड जैसे प्रमुख मार्गों पर दिनभर ट्रैफिक जाम का आलम रहता है। आश्चर्य की बात यह है कि दीपावली के बाद अब सड़क किनारों पर अस्थायी दुकानें या फेरीवालों की भीड़ भी नहीं है, फिर भी जाम की स्थिति बनी हुई है।

रोहतक। गोहाना स्टैंड पर जाम के फसें वाहन। फोटो : हरिभूमि

स्थायी समाधान की दरकार

ट्रैफिक विशेषज्ञों का कहना है कि शहर की सड़कों पर बढ़ती गाड़ियों की संख्या और अव्यवस्थित पार्किंग की वजह से जाम की समस्या लगातार बढ़ रही है। जरूरत है कि प्रमुख चौकों पर ट्रैफिक सिग्नल प्रणाली को दुरुस्त किया जाए, पार्किंग स्थलों को चिन्हित कर वहां सख्ती से अमल कराया जाए। शहरवासी अब चाहते हैं कि प्रशासन इस समस्या को दीपावली जैसे त्योहारों तक सीमित न माने, बल्कि इसे एक गंभीर शहरी चुनौती समझकर इसके स्थायी समाधान की दिशा में कदम उठाए। फिलहाल, दीपावली के बाद भी जाम से जूझ रहे वाहन चालक राहत की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

संकरे रास्ते, अनियंत्रित पार्किंग और गलत दिशा में चलने वाले वाहन जाम की प्रमुख वजह

इसका सीधा असर शहर की आवाजाही पर पड़ रहा है। ट्रैफिक पुलिसकर्मी प्रमुख चौकों पर तैनात तो हैं, लेकिन वाहनों की बढ़ती संख्या और बिना नियमों के चलने वाले दोपहिया-चारपहिया चालकों के कारण व्यवस्था संभालना मुश्किल हो गया है। कई बार पुलिसकर्मी ट्रैफिक नियंत्रित करने में जुटे रहते हैं, लेकिन कुछ ही देर में दोबारा जाम लग जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रैफिक पुलिस केवल व्यस्त समय में कुछ देर के लिए सक्रिय दिखती है, लेकिन स्थायी समाधान के लिए कोई ठोस योजना नहीं अपनाई जा रही। शहर के अंदर संकरे रास्ते, अनियंत्रित पार्किंग और गलत दिशा में चलने वाले वाहन जाम की प्रमुख वजह बन रहे हैं।

किला रोड और कोर्ट चौक सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र

किला रोड और कोर्ट चौक के पास रोजाना सुबह और शाम के समय वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। कई बार एंबुलेंस और स्कूल बसें भी ट्रैफिक में फंस जाती हैं। मेडिकल मोड़ और शीला बाईपास पर भी यह स्थिति कमोबेश समान रहती है। लोग रोजाना इस अव्यवस्था से परेशान हैं और प्रशासन से ठोस कदम उठाने की मांग कर रहे हैं।

एएसआई संदीप आत्महत्या मामला

पीजीआई ने फिंगर वेबिंग की जांच के लिए त्वचा के नमूने भेजे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

एएसआई संदीप लाठर आत्महत्या मामले में पुलिस गहनता से जांच पड़ताल कर रही है। पीजीआईएमएस के तीन सदस्यीय डॉक्टरों के पैनल ने एएसआई संदीप कुमार लाठर के शव का पोस्टमार्टम किया था। अब चिकित्सकों द्वारा उंगलियों के बीच झिल्ली (फिंगर वेबिंग) की जांच के लिए त्वचा के नमूने फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) को भेजे गए हैं, जो हथियार से हुई मौत के मामले में अहम सुराग माना जाता है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि मामले की जांच के दौरान किसी प्रकार का संदेह न रहे। नमूनों को भेजने का निर्णय वैज्ञानिक रूप से यह निर्धारित करने के लिए लिया गया है कि क्या उंगलियों के बीच की त्वचा फायरिंग के निकटतम रेंज से गोली चलाने के कारण जुड़ गई थी या फिर आग या रासायनिक संपर्क जैसी बाहरी कारकों का परिणाम थी। जल्द ही इसकी रिपोर्ट आ सकती है। चिकित्सकों ने एएसआई संदीप के शव के पोस्टमॉर्टम के दौरान पूरी तरह से स्कैन किया लेकिन खोपड़ी के अंदर कोई गोली नहीं मिली। खोपड़ी में दो छेद होने का संकेत मिला जिससे पता चलता है कि गोली अंदर से होकर बाहर की ओर निकली। पोस्टमॉर्टम 16 अक्टूबर को पीजीआईएमएस में किया गया और पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग करवाई गई। एएसआई संदीप रोहतक में एसपी कार्यालय में साइबर सेल में तैनात थे। उन्होंने 14 अक्टूबर को लाढ़ौत गांव के बाहर स्थित खेत में अपने पिस्तोल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय: विकास गिल पैनल ने दाखिल किया नामांकन

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय गैर शिक्षक संघ के 30 अक्टूबर को हो रहे चुनाव को लेकर वीरवार नामांकन का पहला दिन रहा। संघ के पूर्व प्रधान रणधीर कटारिया,पूर्व जयबाग मलिक और कोर कमेटी के चेयरमैन नरेंद्र सिलक की मौजूदगी में पैनल ने नामांकन दाखिल किए। इसमें विकास गिल ने बतौर प्रधान, हरदीप हुड्डा ने उप प्रधान, डॉ. रविंद्र लोहिया ने महा सचिव, डॉ. वरूण सैनी ने सह सचिव और सुनील सुतवाल ने कोषाध्यक्ष के लिए नॉमिनेशन फार्म चुनाव अधिकारी सुरेशपाल राठी को सौंपा। इस मौके पर पंकज नैन, गोल्डी अहलावत, राकेश जैन ,त्रिवेंद्र तहलान ,हरिदेव दहिया ,कुलदीप ग्रोवर ,रामनिवास तंवर ,राज,राजेश सैनी ,सतीश सैनी ,कृष्ण अहलावत ,प्रदीप जून ,जसबीर फोगाट ,राजेश मोखरा ,कृष्ण बागड़ी ,धर्मेंद्र दलाल ,योगेंद्र सिवाच ,परवीन दलाल, सुरेंद्र फोगाट, राजकुमार और विनोद डबास मौजूद रहे।

मंडियों में सरकारी एजेंसियों व व्यापारियों द्वारा अब तक 14199.40 मीट्रिक टन धान की हुई खरीद

रोहतक। मंडियों में सरकारी खरीद एजेंसियों व व्यापारियों द्वारा अब तक 14199.40 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है तथा 4489 मीट्रिक टन बाजरा की खरीद की गई है। डीसी सचिन गुप्ता ने किसानों का आह्वान किया है कि वे अपनी फसलों को अच्छी तरह साफ करके एवं सुखाकर मंडियों में लायें ताकि फसल बिक्री में सुविधा हो। किसान फसलों के अवशेषों को आग न लगाएं बल्कि इनका उचित प्रबंधन करें। सरकारी खरीद एजेंसियों द्वारा अब तक 14199.40 मीट्रिक टन धान की फसल खरीदी गई है, जिसमें ग्रेड-ए किस्म का धान 8921.20 मीट्रिक टन, बासमती 1121 किस्म का धान 390.60 मीट्रिक टन तथा पीबी 1509 किस्म का धान 4887.60 मीट्रिक टन धान शामिल है। रोहतक मंडी में अब 12223.40 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है, जिसमें से 8144.70 मीट्रिक टन धान ग्रेड-ए किस्म तथा 4078.70 मीट्रिक टन धान पीबी 1509 किस्म शामिल है। इसी तरह महम मंडी में अब तक 808.90 मीट्रिक टन, पीबी 1509 किस्म का धान खरीदा गया है। सांपला मंडी में अब तक 1167.1 मीट्रिक टन धान खरीदा गया है।

डीसी सचिन गुप्ता

लापरवाही छह बार बोली लगने के बाद भी नहीं हो सका ठेका, हर महीने करीब एक लाख का नुकसान

बस स्टैंड पर ठप पड़ी पार्किंग व्यवस्था बढ़ीं मोटरसाइकिल चोरी की घटनाएं

विभाग चार बार मुख्यालय को लिख चुका पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

शहर के मुख्य बस स्टैंड पर पार्किंग व्यवस्था ठप पड़े होने से यात्रियों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पार्किंग सुविधा बंद होने से न केवल अव्यवस्था बढ़ रही है, बल्कि मोटरसाइकिल चोरी की घटनाएं भी लगातार बढ़ती जा रही हैं। वहीं, रोडवेज विभाग को हर महीने करीब एक लाख रुपये का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

रोडवेज अधिकारियों के अनुसार, बस स्टैंड पर पार्किंग का ठेका देने के लिए विभाग अब तक छह बार बोली प्रक्रिया पूरी करवा चुका है, लेकिन हर बार यह प्रक्रिया किसी न किसी कारण अधूरी रह गई। बताया गया कि विभाग द्वारा निर्धारित रिजर्व रेट और बोली लगाने वालों द्वारा पेश की गई राशि के बीच मात्र दस हजार रुपये का अंतर रह जाता है। यह अंतर कम करने का अधिकार केवल रोडवेज महानिदेशक (डीजी) के पास है। इस संबंध में विभाग चार बार मुख्यालय को पत्र लिख चुका है, लेकिन अब तक कोई स्वीकृति नहीं मिली है। जब तक डीजी स्तर से अनुमति नहीं मिलती, तब तक ठेका जारी नहीं किया जा सकता। बस स्टैंड पर पार्किंग बंद होने के कारण राजस्व में हर महीने करीब एक लाख रुपये की हानि हो रही है। पहले यह ठेका नियमित रूप से जारी रहता था, जिससे न केवल विभाग को आय होती थी, बल्कि वाहन मालिकों को सुरक्षित पार्किंग की सुविधा भी मिलती थी। अब स्थिति यह है कि बस स्टैंड परिसर और उसके आसपास वाहन जहां-तहां खड़े कर दिए जाते हैं, जिससे परिसर में भीड़ और अव्यवस्था का माहौल बना रहता है।

हजारों यात्री रोज बस स्टैंड की पार्किंग का करते हैं प्रयोग

बस स्टैंड से हर दिन सैकड़ों रोडवेज बसें अलग-अलग रूटों पर संचालित होती हैं, जिनसे हजारों की संख्या में यात्री सफर करते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में लोग अपनी मोटरसाइकिलें या स्कूटर बस स्टैंड के आसपास खड़े करते हैं। लेकिन पार्किंग व्यवस्था ठप होने से वाहनों के लिए कोई निर्धारित स्थान नहीं बचा है। इस स्थिति का फायदा उठाकर असामाजिक तत्व और वाहन चोर सक्रिय हो गए हैं। पिछले कुछ महीनों में यहां से कई मोटरसाइकिल चोरी होने के मामले सामने आ चुके हैं।

यात्रियों ने उठाई पार्किंग व्यवस्था बहाली की मांग

स्थानीय लोगों और यात्रियों ने प्रशासन से मांग की है कि बस स्टैंड परिसर में जल्द से जल्द पार्किंग की व्यवस्था बहाल की जाए। उनका कहना है कि पार्किंग सुविधा चालू होने से न केवल चोरी की घटनाओं पर रोक लगेगी बल्कि बस स्टैंड का संचालन भी सुचारू रूप से हो सकेगा। वहीं, रोडवेज अधिकारियों ने बताया कि जैसे ही डीजी स्तर से स्वीकृति मिलेगी, पार्किंग का ठेका दोबारा जारी कर दिया जाएगा।

अपनी जिम्मेदारी पर वाहन खड़ा करें

पार्किंग का ठेका अभी तक नहीं हुआ है, यात्री अपनी जिम्मेदारी पर ही वाहनों को बनी पार्किंग में पार्क कर देते है। यहीं नहीं बहुत बार देखने में आया है, यात्री बस स्टैंड के अन्य स्थानों पर भी अपने वाहन पार्क कर देते है। ऐसे में अव्यवस्था का माहौल बन जाता है।
-**सुरेंद्र सिवाच**, वर्कशाप मैनेजर, रोडवेज डिपो

रोचक / अभिव्यक्ति त्रिवेदी

वाओ, इट्स अमेजिंग!

बच्चो, देश-विदेश में एक से बढ़कर एक सुंदर इमारतें बनाई गई हैं। इनमें से कुछ तो देखने में बहुत ही अजब-गजब हैं, वास्तुकला का अद्भुत नमूना हैं। इन्हें देखकर अनायास ही मुंह से निकलता है-वाओ, इट्स अमेजिंग! जानो, ऐसी ही कुछ अनोखी बिल्डिंग्स के बारे में।

बिग बास्केट बिल्डिंग अमेरिका

अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक अनोखी टोकरीनुमा इमारत है, इसे 'बास्केट बिल्डिंग' के नाम से जाना जाता है। इसका निर्माण लॉन्गाबर्गर कंपनी ने वर्ष 1997 में किया था। यह बास्केट बिल्डिंग हाथ से बनी मेपल की लकड़ी की टोकरियों के प्रसिद्ध निर्माता लॉन्गाबर्गर कंपनी का मुख्यालय रही है। विश्व की सबसे बड़ी बास्केट बिल्डिंग होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी इस बिल्डिंग के नाम है। इस 7 मंजिला इमारत में नेचुरल लाइट के लिए कांच की छत है। इसके ऊपर दो स्टील के हैंडल लगे हैं, जिनमें से प्रत्येक का वजन करीब 75 टन है। टोकरी के बड़े हैंडल सर्दियों में किसी भी तरह के नुकसान से बचाने के लिए गर्म रखे जाते हैं। इमारत पर दो टैग लगे हैं, जो लॉन्गाबर्गर द्वारा बेची जाने वाली हर टोकरी पर लगे लेबल से मिलते-जुलते हैं। *

साइबरटेक्चर एग बिल्डिंग भारत

मुंबई में स्थित जेम्स लॉ साइबरटेक्चर बिल्डिंग का डिजाइन अपने आप में बहुत अनूठा है। इस इमारत को हॉन्ग-कॉन्ग की एक फर्म ने डिजाइन किया है। 13 मंजिला यह कमर्शियल बिल्डिंग अंडे के आकार की है। इस इमारत को बनाने में कंक्रीट, स्टील और ग्लास का इस्तेमाल नहीं किया गया है। इसके ऑफिस का कैंपस 33,000 स्क्वेयर मीटर में बना हुआ है। तीन अंडरग्राउंड लेवल्स में 400 गाड़ियों के लिए पार्किंग स्पेस भी है। अपनी डिजाइनिंग के लिए ही नहीं, अपने एन्वॉयर्नमेंट फ्रेंडली स्ट्रक्चर के लिए भी यह इमारत प्रसिद्ध है। *

बर्ड्स नेस्ट स्टेडियम चीन

बीजिंग राष्ट्रीय स्टेडियम, जिसे बर्ड्स नेस्ट यानी 'चिड़िया का घोंसला' के नाम से भी जाना जाता है। यह पूरी दुनिया में अपनी तरह की एक अनोखी संरचना है। यह चीन के बीजिंग के चाओयांग में ओलंपिक ग्रीन में स्थित एक स्टेडियम है। इस स्टेडियम की क्षमता लगभग 80,000 लोगों की है। यह वर्ष 2008 में बनकर तैयार हुआ था। इस स्टेडियम को खासतौर से 2008 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक और पैरालिंपिक के लिए डिजाइन किया गया था। *

गिटार शेप्ड होटल अमेरिका

अमेरिका के दक्षिण फ्लोरिडा में स्थित गिटार के आकार का होटल, अपनी तरह का पहला होटल है। अक्टूबर 2019 में इसका निर्माण शुरू हुआ था। यह होटल 35 मंजिला है। यह गिटार होटल दक्षिण फ्लोरिडा में 450 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। दक्षिण फ्लोरिडा के पर्यटन क्षेत्र में इसका अनोखा स्थान है। इसमें 600 से ज्यादा कमरे हैं। रात में इसकी जगमगाती लाइट्स, गिटार के तारों जैसी लगती हैं। *

बिग पाइनएप्पल ऑस्ट्रेलिया

बिग पाइनएप्पल, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया के सनशाइन कोस्ट क्षेत्र के वूम्बी, नैंबोर कनेक्शन रोड पर स्थित एक आकर्षक दर्शनीय बिल्डिंग है। इसे पेडल वॉर्प और हार्वे, पॉल लफ और गैरी स्मॉलकॉम्ब एंड एसोसिएट्स ने डिजाइन किया था। इसे सनशाइन प्लांटेशन के नाम से भी जाना जाता है। इसको 6 मार्च 2009 को क्वींसलैंड हेरिटेज रजिस्टर में शामिल किया जा चुका है। *

हाई-हील वेडिंग चर्च ताइवान

ताइवान के बुदाई टाउनशिप में यह एक विशाल कांच का चर्च है, जो सिंड्रेला के कांच के जूते के आकार का है। यह हाई-हील वेडिंग चर्च महिला श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से 2016 में बनाया गया था। इसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा दुनिया की सबसे बड़ी हाई-हील के आकार की संरचना के रूप में प्रमाणित भी किया गया है। *

नोंक पर टिका चर्च कनाडा

कनाडा के कैलेगरी में यह चर्च स्थित है। यह देखने में उल्टा लगता है। यह एक नोंक पर टिका हुआ चर्च है। कनाडा आने वाले पर्यटकों के लिए यह आकर्षण का केंद्र है। कनाडा के इस अनोखे चर्च का नाम 'डिवाइस टू रूट आउट डेविल' है। इसका मतलब शैतान या बुराई को जड़ से उखाड़ने के यंत्र से है। इसका निर्माण 2019 में हुआ था। *

बच्चो, किसी पहाड़ की ऊंचाई से गिरते हुए पानी को झरना यानी वाटर फॉल कहते हैं। ऊंचे पहाड़ों से जब तेज गति के साथ पानी गिरता है, तो यह दृश्य बहुत ही मनोरम लगता है। हम तुम्हें अपने देश के तीन सबसे ऊंचे झरनों के बारे में बता रहे हैं।

देश के तीन फेमस हाईएस्ट वाटर फॉल्स

जानकारी
नयनतारा

बच्चो, झरना यानी वाटर फॉल किसी ऊंचाई से नीचे की तरफ गिर रहा पानी का एक नेचुरल फ्लो होता है। आमतौर पर झरना ऊंचे पहाड़, ऊंची चट्टान या चट्टानी ढलान से नीचे की तरफ गिरता है। जब झरने का यह पानी नीचे की तरफ गिरता है, तो बड़ा ही मनोरम लगता है। अपने देश में ऐसे बहुत से सुंदर-प्रसिद्ध झरने हैं, जिसे देखने देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। इनमें से कुछ झरनों की विशेषताओं के बारे में यहां हम तुम्हें बता रहे हैं।

दूसरा सबसे ऊंचा झरना: बच्चो, देश का दूसरा सबसे ऊंचा झरना ओडिशा के मयूर भंज जिले के सिमलीपाल राष्ट्रीय उद्यान में स्थित है। यह बरेहीपानी नाम से जाना जाता है। यह झरना 399 मी. (1,309 फीट) की ऊंचाई से गिरता है। बरेहीपानी झरना देखने के लिए पर्यटकों को कोई परमिशन नहीं लेनी पड़ती। लेकिन चूंकि यह झरना सिमलीपाल नेशनल पार्क में स्थित है, इसलिए नेशनल पार्क में प्रवेश करने के लिए वन विभाग से परमिट लेना जरूरी होता है। यह परमिट पार्क के एंट्री गेट पर मिल जाता है।

सबसे ऊंचा झरना: कर्नाटक के शिवमोग्गा (शिमोगा) जिले के अगुंबे वर्षावन में स्थित कुंचिकल झरना भारत का सबसे ऊंचा झरना है। यह झरना 455 मी. (1,493 फीट) ऊंचा है और इससे गिरने वाले जल का मुख्य स्रोत कर्नाटक की वाराही नदी है। बच्चो, यह झरना कुंचिकल हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट क्षेत्र में स्थित है। यह स्थान प्रतिबंधित क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जहां बिना अनुमति के प्रवेश वर्जित होता है। पर्यटकों को यहां तक जाने के लिए कर्नाटक पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड से अनुमति लेनी पड़ती है।

तीसरा सबसे ऊंचा झरना: अपने देश का तीसरा सबसे ऊंचा झरना, पूर्वोत्तर राज्य मेघालय में चेरापूंजी के पास नोहकलिकाई नामक झरना है, जो 340 मी. (1,115 फीट) ऊंचाई से गिरता है। इस झरने के व्यू प्वॉइंट तक जाने के लिए मेघालय पर्यटन विभाग को फिक्स एंट्री-फी देनी होती है। *

कविता / अरुण आदित्य

खुशी

फूल टहनियों पर खुश रहते
तितली फूलों पर
चिड़ियां पेड़ों पर खुश रहतीं
बच्चे झूलों पर।
चांद आसमां में खुश रहता
मछली पानी में
पानी नदियां में खुश रहता
नदी रवानी में।
फुलवारी से फूल न तोड़ो
तितली को मत पकड़ो
चिड़ियों को आजादी प्यारी
पिंजरे में मत जकड़ो।
चांद पे झूला डाल के झूलो
नदियों को बहने दो
जिसको जहां खुशी मिलती है
उसे वहीं रहने दो।

तुम्हारे लिए नई किताब / समीर गांगुली

मिथकों से विज्ञान तक

हाल में किशोरों के लिए एक बहुत रोचक-ज्ञानवर्धक किताब आई है-मिथकों से विज्ञान तक। इसके लेखक हैं प्रसिद्ध वैज्ञानिक गौहर रजा। यह किताब तुम्हें कई सवालों के जवाब देगी जैसे कि ब्रह्मांड कैसे बना और समय के साथ उसमें क्या-क्या बदलाव आए? विज्ञान और मिथकों में क्या फर्क है? विज्ञान और धर्म एक-दूसरे के विरोधी हैं या पूरक? इस किताब में दुनिया भर के मिथकों के उदाहरण देकर विज्ञान की कसौटी पर उन्हें परखा गया है। किताब में ऐसे भी उदाहरण दिए गए हैं, जिससे तुमको मनोरंजन और ज्ञान दोनों मिलेगा। अगर तुम्हारी विज्ञान में रुचि है तो इस किताब को जरूर पढ़ना चाहिए। *

किताब : मिथकों से विज्ञान तक, **लेखक :** गौहर रजा, **मूल्य :** 299 रुपए, **प्रकाशक :** पेंगुइन, स्वदेश

जीके क्विज-176

1. साल 2025 में शांति का नोबेल पुरस्कार किसे मिला है?
2. भारत के वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त कौन हैं?
3. संयुक्त राष्ट्र का मुख्यालय किस देश में स्थित है?
4. गुरुत्वाकर्षण की खोज किस वैज्ञानिक ने की थी?
5. विश्वनाथन आनंद का संबंध किस खेल से है?
6. गाजर में कौन सा विटामिन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है?
7. श्वेत क्रांति (व्हाइट रिवोल्यूशन) का संबंध किससे है?
8. भारत का दक्षिणतम बिंदु किस नाम से जाना जाता है?
9. भारत में सबसे पहले सूर्योदय किस राज्य में दिखता है?
10. दूध की शुद्धता मापने के लिए किस यंत्र का प्रयोग किया जाता है?

बच्चों, जीके क्विज-176 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-175 का उत्तर : 1.लास्जलो क्रास्जनाहोरकाई, 2.स्वामी विवेकानंद, 3.कार्तिक, 4. प्रशांत महासागर, 5.गुजरात, 6.स्टेपीज, 7.दयानंद सरस्वती, 8.प्रकाश वर्ष, 9.पेरिस (फ्रांस), 10.बाल गंगाधर तिलक

जीके क्विज-175 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, आशुतोष-रायपुर, कमल-बिलासपुर, राजन-भोपाल, शिखर-बालोद, जतिन-दिल्ली, कुसुम-बेमेतरा, प्रियांक-बलौदा बाजार, सोहम-कांकेर, अविनाश-गुना, राखी-दुर्ग

बूढ़े कछुए ने आरसी को बताया कि समुद्र में इंसानों द्वारा फेंका गया प्लास्टिक कचरा समुद्र और समुद्री जीवों के लिए बहुत घातक है। आरसी ने तय किया वह प्रयास करेगा, ऐसा ना हो। क्या आरसी अपने प्रयास में सफल हुआ?

जल की पुकार

कहानी
कल्पना मनोरमा

'कपड़े के थैले इस्तेमाल करें और प्लास्टिक भूल जाएं, तो समुद्री जीवों की जान बच सकती है, समुद्र जहरीला नहीं, साफ-सुथरा रहेगा।' बूढ़े कछुए ने दूसरे किनारे की ओर पड़े प्लास्टिक कचरे की ओर इशारा किया। आरसी ने देखा- एक छोटी मछली प्लास्टिक के बड़े टुकड़े में उलझकर तड़प रही है। पास ही एक कछुआ बेसुध पड़ा है। आरसी की आंखें भर आईं। उसने धीमे से पूछा, 'क्या इंसान नहीं जानता कि वह कुदरत को बिगाड़ रहा है?'

बूढ़े कछुए ने सिर हिलाया, 'कुछ जानते हैं, कुछ नहीं। लेकिन जब बच्चे सच बोलते हैं, तो बड़े भी सुनते हैं।'

आरसी ने गहरी सांस ली और बोला, 'मैं सभी की आवाज बनूंगा। मैं जल की पुकार बनूंगा।'

उस दिन से आरसी ने एक नया खेल खेलना शुरू किया। वह समुद्र किनारे जाकर चिल्लाता, 'सुनो, सुनो! जल कुछ कहता है—प्लास्टिक मत फेंको!'

शुरू-शुरू में बच्चे आरसी की इस गुहार पर हंसते, लेकिन धीरे-धीरे वे अपने खेल का सामान, खाना-पीना थैले में लेकर आने लगे। समुद्र में कुछ नहीं बहाते। समुद्र का किनारा साफ रहने लगा। एक दिन आरसी ने देखा- लहरें मानो ताली बजा रही हैं।

पानी के भीतर से मधुर स्वर गूंज रहा था- 'जल की पुकार सुनो, जीवों की रक्षा करो।'

आरसी ने बूढ़े कछुए को खोजकर अपनी सफलता बताई। बूढ़ा कछुआ मुस्कुराया, 'देखा, आरसी! यही असली बदलाव है। जब बच्चे सच बोलते हैं, तो बड़े भी सुनते हैं।'

आरसी उस रात चांद के साथ समुद्र के किनारे बहुत देर तक घूमता रहा। *

कहानी
प्रकाश मनु

धरती पर चमेली के फूल ऐसे ही नहीं खिले, इसके पीछे एक अजीबो-गरीब कहानी है, जो एक भोली-भाली लड़की के अद्भुत साहस की कहानी है।

खिल उठे चमेली के फूल

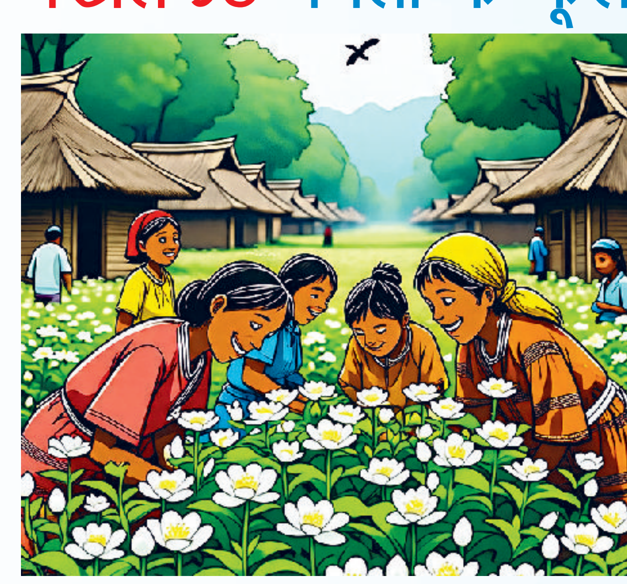

एक थी चमेली। बड़ी ही सुंदर और भोली-भाली, लेकिन वह दिलेर भी कम न थी। गांव में जो काम कोई बच्चा नहीं कर पाता, उसे चमेली झट कर दिखाती। उसकी हिम्मत देखकर बच्चे ही नहीं, बड़े भी हैरान होते।

एक दिन, चमेली अपनी सहेलियों से बात कर रही थी। तभी किसी ने कहा, 'अगर इतनी ही होशियार हो तो क्या तुम अक्का बाबा का मोती ला सकती हो?'

'अक्का बाबा का मोती!' चमेली चकराई। अभी तक तो किसी ने यह सोचा भी नहीं था। कहते हैं, सैकड़ों बरस पहले सामने वाले पहाड़ की ऊंची चोटी पर रहते थे अक्का बाबा। उनके पास एक विचित्र मोती था। खूब बड़ा। नीचे धरती से उस मोती को देखने पर एकदम गोल-गोल चांद सरीखा लगता। अक्का बाबा कहा करते थे, 'यह खुशहाली का मोती है, पर इसे धरती पर ले जाना कोई खेल नहीं।'

सचमुच बहुतों ने कोशिश की, पर अक्का बाबा के उस मोती को कोई छू भी नहीं पाया। बड़ी ही कठिन चढ़ाई थी वहां की। पर चमेली ने सुना तो झट से बोली, 'हां-हां, क्यों नहीं?' और उसी समय चमेली ने पहाड़ पर चढ़ना शुरू कर दिया। शाम का समय था। चमेली तेजी से पहाड़ पर चढ़ती जा रही थी। कुछ देर में रात हो गई। सारे कबीले के लोग हैरानी से चमेली को देख रहे थे, जो सीधे खड़े पहाड़ पर बड़ी हिम्मत से चढ़ती जा रही थी।

वह पूनम की चांदनी रात थी। सब ओर चांदनी बिखरी हुई थी। इसलिए दुर्गम पहाड़ पर तेजी से चढ़ती चमेली हर किसी को नजर आ रही थी। सभी उसकी हिम्मत की दाद दे रहे थे। चलते-चलते चमेली आखिर पहाड़ की चोटी पर पहुंची। उसने अक्का बाबा का मोती उठाया और फौरन वापस नीचे की ओर चल दी। ऐसा लगता था, आसमान के चांद की तरह चमेली की हथेली पर भी एक चांद रखा है, जिसे लिए-लिए वह धरती पर आ रही है।

सुबह चमेली धरती पर आई, तो कबीले के लोगों ने हैरानी से देखा कि सांवले रंग की चमेली अब एकदम चांदनी जैसी उजली हो गई थी। पता नहीं, यह पूनम की चांदनी का असर था या फिर उस बड़े से श्वेत मोती का, जो अब चमेली के हाथ में था। पर जैसे ही चमेली ने वह अनोखा मोती अपनी सहेलियों को दिया, उनमें पहले उसे लेने की होड़ लग गई। और फिर न जाने कब वह धरती पर गिरा और टूट कर छोटे-छोटे टुकड़ों में बंट गया।

तभी एक और चमत्कार हुआ। लोगों ने देखा, चमेली अब अदृश्य हो चुकी थी और जहां वह मोती टूट कर गिरा था, वहां छोटे-छोटे सुंदर, महकते फूल खिल उठे थे। कबीले के लोगों ने उनका नाम रखा, चमेली के फूल। जहां-जहां उस कबीले के लोग गए, वहां-वहां पहुंचे चमेली के फूल और फिर एक दिन सारी धरती पर छा गए। *

अंतर बताओ

बच्चो, यहां फुटबॉल खेल रहे लड़कों के दो चित्र दिए गए हैं। इन दोनों चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम्हें दो मिनट में ये पांचों अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट पांच अंतर खोजो।

उत्तर: 1. स्ट्राइकर (गोल करने वाला खिलाड़ी) की दोनों आंखें बंद हैं। 2.स्ट्राइकर की जर्सी का नंबर बदला हुआ है। 3.स्ट्राइकर के दाहिने पैर के जूते पर दो धारियां बनी हुई हैं। 4.ऊपर आसमान में बादल के दो टुकड़े दिख रहे हैं। 5.मैदान में आगे कम घास उगी हुई है।

सही मिलान करो

बच्चो, नीचे बाईं तरफ कुछ चित्र दिए गए हैं। दाईं तरफ उन चित्रों की परछाई क्रमवार नहीं हैं। तुम पेंसिल या पेन की सहायता से प्रत्येक चित्र के साथ उसकी सही परछाई का मिलान करो।

उत्तर: 1-D, 2-C, 3-A, 4-B

खबर संक्षेप

भाई दूज का त्योहार श्रद्धा के साथ मनाया

सांपला। इलाके में गुरुवार को भाई -बहन के प्रेम का प्रतीक भाई दूज का त्योहार उत्साह से मनाया गया। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाया । भाइयों ने बहन के पैर छुए और आशीर्वाद लिया और उपहार दिए।

लाइनपार में कल होगा श्याम भजनामृत महोत्सव

बहादुरगढ़। श्री श्याम प्रेमी परिवार बहादुरगढ़ द्वारा प्रथम श्री श्याम भजनामृत महोत्सव का आयोजन शनिवार को किया जाएगा। लाइनपार स्थित पंडित लख्मीचंद मेमोरियल धर्मशाला में सायं 7 बजे से प्रभु इच्छा तक महोत्सव आयोजित होगा। इसमें बिट्टू सिंह राजपूत, लक्ष्य सैन, धर्मेश दर्शन, कुमार देवेंद्र व दामिनी पांचाल श्याम बाबा का गुणगान करेंगे। मंच संचालन डिम्पी राम करेंगे। ईत्र वर्षा, अखंड ज्योति, भव्य दरबार, आलौकिक श्रृंगार, छप्पन भोग, खीर-चूरमा प्रसाद आदि मुख्य आकर्षण होंगे।

उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम की बैठक आज

झज्जर। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रवर्तन परिमंडल कार्यालय शुक्रवार को उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम की बैठक का आयोजन किया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि बैठक में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक शहर, सब अर्बन सब डिवीजन झज्जर, बादली व माछरौली सब डिवीजन क्षेत्र के उपभोक्ताओं की विभिन्न बिजली एवं बिजली के बिल संबंधी समस्याएं सुनी जाएंगी। जिसकी अध्यक्षता फोरम के चेयरमैन कार्यकारी अभियंता करेंगे तथा मौके पर उनका निवारण किया जाएगा। यदि किसी उपभोक्ता को कार्यकारी अभियंता, उपमंडल अभियंता के फैसले से संतुष्ट न होने पर अपनी शिकायत को चेयरमैन बिजली उपभोक्ता फोरम के समक्ष रख सकते हैं।

साइबर फ्रॉड का शिकार होते ही डायल करें 1930

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि दिन प्रतिदिन उपभोक्ताओं में ऑनलाइन शॉपिंग का क्रेज बढ़ता जा रहा है। जिसके चलते बंपर डिस्काउंट, लॉटरी या इनाम के नाम पर लोगों से ठगी की संभावना बनी रहती है, यदि कोई व्यक्ति ऑनलाइन ठगी या साइबर फ्रॉड का शिकार हो जाता है, तो वह तुरंत गृह मंत्रालय की हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करके शिकायत दर्ज कराए। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें, अंजान कॉल या संदेशों में आए ऑफर पर भरोसा न करें और अपनी बैंक डिटेल, ओटीपी या पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि ऑनलाइन शॉपिंग के लिए हमेशा सुरक्षित और अधिकृत वेबसाइट या ऐप का ही प्रयोग करें।

कर्मचारी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बहादुरगढ़। बीती रात एचएसआईआईडीसी के सेक्टर-16 स्थित एक कंपनी में एक प्रवासी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। करीब 54 वर्षीय धनंजय चक्रवर्ती मूल रूप से पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। उसने अज्ञात कारण के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया।

एमडीयू में परीक्षा सुधारों को लेकर कुलपति की अध्यक्षता में बैठक

■ प्रश्नपत्रों में ब्लूम्स टैक्सनॉमी और कोर्स आउटकम्स लागू करने पर सहमति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। वरिष्ठ शिक्षाविदों और प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेते कुलपति प्रो. राजबीर सिंह। *फोटो : हरिभूमि*

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) में परीक्षा प्रणाली में सुधार और मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी व परिणामोन्मुख बनाने के उद्देश्य से वीरवार को कुलपति प्रो. राजबीर सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षाविदों और प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया और परीक्षा सुधार से जुड़े कई ठोस निर्णय लिए।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय के आगामी प्रश्नपत्रों के पैटर्न में ब्लूम्स टैक्सनॉमी और कोर्स आउटकम्स को शामिल किया जाएगा। इस बदलाव से परीक्षा में विद्यार्थियों की समझ, विश्लेषण, मूल्यांकन और सृजनात्मक सोच की क्षमता को मापेंगे। यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप उच्च शिक्षा में गुणवत्ता सुधार की दिशा में एमडीयू का एक महत्वपूर्ण प्रयास होगा।

बैठक में ये रहे मौजूद

बैठक में डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो एस. सी. मलिक, कुलपति के सलाहकार प्रो. ए.के. राजन, डीन रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. हरीश दुरेजा, डीन कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल प्रो. विनीता हुड्डा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राहुल ऋषि, मुख्य सलाहकार परीक्षा प्रो. महाबीर सिंह धनखड़, निदेशक यूआईईटी प्रो. अश्वनी ढींगड़ा, फार्मास्युटिकल साइंसेज विभागाध्यक्ष प्रो. दीपक कौशिक शामिल रहे।बैठक में यह निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय के आगामी प्रश्नपत्रों के पैटर्न में ब्लूम्स टैक्सनॉमी और कोर्स आउटकम्स को शामिल किया जाएगा।

प्रश्न बैंक तैयार करने पर विस्तार से चर्चा

बैठक में नवंबर/दिसंबर 2025 की परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए परीक्षा ड्यूटी निर्धारण, नोडल मूल्यांकन केंद्रों पर सुपरिटेंडेंट, डिप्टी सुपरिटेंडेंट और आब्जर्वर की नियुक्ति यूनिवर्सिटी द्वारा करने तथा विभिन्न विषयों के लिए प्रश्न बैंक तैयार करने पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

परीक्षा में पादर्शिता लाने पर दिया जोर

कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि एमडीयू की परीक्षा प्रणाली में सुधार केवल प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि गुणवत्ता और विश्वास का निर्माण करने की दिशा में एक ठोस कदम है। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता, समयबद्धता और शैक्षणिक उत्कृष्टता को साथ लेकर चलना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य ऐसी परीक्षा प्रणाली विकसित करना है जो विद्यार्थियों की वास्तविक क्षमताओं का मूल्यांकन करे और उन्हें सीखने के लिए प्रेरित करे।कुलपति ने अधिकारियों से कहा कि परीक्षा प्रक्रिया में आधुनिक तकनीक और नवाचारों का अधिकतम उपयोग किया जाए ताकि निष्पक्ष और दक्ष मूल्यांकन सुनिश्चित हो सके।

सभी करें सहयोग

कुलपति ने कहा कि सभी अधिकारी मिलजुलकर ऐसी कार्य संस्कृति बनाएं जिसमें समय पर निर्णय, जिम्मेदारी और ईमानदारी प्राथमिक मूल्य बनें। बैठक के अंत में कुलपति ने कहा कि एमडीयू ज्ञान, नवाचार और पारदर्शिता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। यह सुधार विश्वविद्यालय की परीक्षा व्यवस्था को नई दिशा देंगे और इसे उच्च शिक्षा के क्षेत्र में और मजबूत स्थिति में स्थापित करेंगे। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने अपने सुझाव साझा किए और विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली को और बेहतर बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों का संकल्प लिया।

जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता में नन्हे खिलाड़ियों ने योग प्रदर्शन से जीते दिल

सौ से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में अपनी अद्भुत प्रतिभा का मनवाया लोहा

» *जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता का सफल आयोजन*

» *योग आत्मविश्वास और सफलता की पहली सीढ़ी*

प्रिंसिपल शकुंतला अहलावत ने कहा, आज के सभी प्रतिभागी योग खिलाड़ी हमारे जिले का गौरव हैं, इन बच्चों ने जिस समर्पण और अनुशासन के साथ योग का प्रदर्शन किया है, वह सराहनीय है, ऐसे आयोजन बच्चों के भीतर आत्मविश्वास पैदा करते हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिला योगा स्पोर्ट्स एसोसिएशन की ओर से नवयुग शिक्षा निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लाढ़ौत में जिला स्तरीय योग स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2025 का भव्य आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय की प्रिंसिपल शकुंतला अहलावत ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस प्रतियोगिता में लगभग 100 से अधिक खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों — 5–8, 8–10, 10–12, 12–14, 14–16 और 16 से 18 वर्ष में भाग लेकर अपनी अद्भुत योग प्रतिभा और अनुशासन का प्रदर्शन किया। सेक्रेटरी डॉ. जनक राज ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में योग खेल के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें राज्य व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला सहायक शिक्षा अधिकारी (खेल) संजय मलिक ने शिरकत की और विजेता खिलाड़ियों को मेडल और आशीर्वाद देकर सम्मानित किया, उन्होंने अपने प्रेरणादायक संबोधन में उन्होंने कहा कि "योग भारत की प्राचीन परंपरा का एक अनमोल उपहार है, जो न केवल शरीर को स्वस्थ बनाता है, बल्कि मन और आत्मा को भी संतुलित करता है। आज के समय में जब बच्चे तनाव और प्रतिस्पर्धा के माहौल में हैं, योग उनके लिए आत्मविश्वास, अनुशासन और एकाग्रता बढ़ाने का सबसे सशक्त माध्यम है।

रोहतक। योग प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी। *फोटो : हरिभूमि*

रोहतक। विजेताओं को सम्मानित करते प्रिंसिपल शकुंतला अहलावत व अन्य कोच। *फोटो : हरिभूमि*

बच्चों को किया प्रेरित

मुख्य अतिथि संजय मलिक ने जिला योगा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव डॉ. जनक राज और आयोजन टीम की सराहना करते हुए कहा कि रोहतक में योग प्रतिभा लगातार प्रगति कर रही है और भविष्य में राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर हमारे खिलाड़ी निश्चित रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। यहां नवयुग शिक्षा निकेतन स्कूल लाढ़ौत की प्रिंसिपल शकुंतला अहलावत, मुख्य अतिथि संजय मलिक, डॉ. जनक राज, ओमपाल (डीपीई), नीरज मलिक, अरुण सांगवान, राज कुमारी रहे। डॉ. जनक राज ने बताया कि इस प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी आगामी 26 एवं 27 अक्टूबर 2025 को फरीदाबाद में हरियाणा स्टेट योगा एसोसिएशन द्वारा आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता में रोहतक जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

यह रहे प्रतियोगिता के परिणाम, मिले पुरस्कार

आयु वर्ग 5 से 8 वर्ष वर्ग में दियाक्षा और नाइरा अहलावत ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि सनाया और श्रेया ने सिल्वर, और अवनी एवं जन्नत ने ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया। आयु वर्ग 8 से 10 वर्ष लड़कों में अंश (शिक्षा भारती स्कूल, रोहतक) ने गोल्ड, आरव (एम.डी.एन. पब्लिक स्कूल, रोहतक) ने सिल्वर मेडल और सुप्रीत (द आर्यन ग्लोबल स्कूल, करौंथा) ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। लड़कियों में याक्षी (जॉन वेस्ले कॉन्वेंट स्कूल, रोहतक) ने गोल्ड मेडल, आरवी (द आर्यन ग्लोबल स्कूल, करौंथा) ने सिल्वर मेडल और देविना (मॉडल स्कूल, रोहतक) ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया, आयु वर्ग 10 से 12 वर्ष वर्ग में अभिनव (एम.डी.एन. पब्लिक स्कूल) ने गोल्ड, प्रदीप (शिक्षा भारती स्कूल) ने सिल्वर, जबकि पूर्ति (एम.डी.एन. पब्लिक स्कूल) ने लड़कियों में गोल्ड, यशिका (राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रोहतक) ने सिल्वर और जिया (डी.ए.वी. पुलिस पब्लिक स्कूल, रोहतक) ने ब्रॉन्ज मेडल जीता, आयु वर्ग 12 से 14 वर्ष में आदर्श (श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल) ने गोल्ड, इशांत (आर्यन ग्लोबल स्कूल) ने सिल्वर और शिवम ने ब्रॉन्ज प्राप्त किया। इसी वर्ग में लड़कियों में पारिशा (डी.ए.वी. पुलिस पब्लिक स्कूल, सुनारिया) ने गोल्ड, यशिका, रोहतक ने सिल्वर और संध्या (शिक्षा भारती स्कूल) ने ब्रॉन्ज जीता आयु वर्ग 14 से 16 वर्ष वर्ग में राजनंदन (शिक्षा भारती स्कूल) ने गोल्ड, हिमांशु (गवर्नमेंट हाई स्कूल) ने सिल्वर तथा सुहाना (शिक्षा भारती स्कूल, रामनगर) ने लड़कियों में गोल्ड मेडल जीता, आयु वर्ग 16 से 18 वर्ष वर्ग में संजीव कुमार ने लड़कों में गोल्ड मेडल जीतकर किया नाम रोशन।

रोहतक। भैयादूज पर्व पर अपने भाइयों को तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र की कामना करती बहन। *फोटो : हरिभूमि*

भैया दूज पर नन्हे भाई बहनों में दिखा उत्साह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। भैयादूज पर्व पर अपने भाइयों को तिलक लगाने के बाद।

बहन और भाई के अटूट पवित्र प्रेम के रिश्ते का प्रतीक भैया दूज पर्व वीरवार को धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर और कलाई पर धागा बांध कर अपने भैया की लंबी आयु की कामना की। पर्व के मौके पर रोडवेज बसों, रेलवे स्टेशनों व बस अड्डों पर दिन भर भारी भीड़ जमा रही। बहनों और भाईयों ने एक दूसरे के घर जाकर त्योहार मनाया। त्योहार की वजह से बाजारों में भी भारी भीड़ देखने को मिली। वहीं सड़कों पर जाम लगा रहा। वीरवार सुबह होते ही भैया दूज के पर्व के मौके पर बस स्टैंड व रेलवे स्टेशनों पर भारी भीड़ जुट गई। यात्रियों को बसों में चढ़ने व उतरने के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सबसे अधिक परेशानी महिलाओं को उठानी पड़ी। रोडवेज बसों की कमी का निजी वाहन चालकों ने जमकर फायदा उठाया। बहनों को पर्याप्त बसें नहीं मिलने के कारण भी सफर करने में परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं दोपहर बाद भी बाजारों में काफी भीड़ देखने को मिली।

बस स्टैंड के प्रत्येक बूथ पर बसों के लिए वीरवार को यात्री इंतजार करते रहे। किसी यात्री ने एक घंटा तो किसी ने डेढ घंटे तक बसों का इंतजार किया। झज्जर, भिवानी और सोनीपत मार्ग की बसों के लिए यात्री छतों पर सवार होने के लिए भी मजबूर हुए। भैयादूज पर्व को लेकर रोडवेज प्रशासन से उचित व्यवस्था करने की बात कही थी लेकिन परिस्थितियां इसके उल्ट ही दिखी। बस स्टैंड पर महम, हांसी, करनाल, अंबाला, यमुनानगर, गोहाना, जींद, भिवानी व झज्जर मार्ग पर देर शाम चार बजे तक भीड़ कम नहीं हुई।

माता धनपति देवी चैरिटेबल ट्रस्ट में बाल संस्कार पर कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि पीजीआई के डायरेक्टर डॉ. सुरेश सिंघल को सम्मानित करते माता धनपति देवी चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्य।

माता धनपति देवी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा नए भवन में बाल संस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पीजीआई के सीनियर प्रोफेसर एवं डायरेक्टर डॉ. सुरेश सिंघल रहे, जिन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. केदारनाथ गर्ग ने की। इस अवसर पर ट्रस्ट के बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर मुख्य अतिथि का अभिनंदन किया और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सभी का मन मोह लिया। जैन साधु अरुण मुनि के शिष्य अतिमुक्त मुनि जी महाराज ने कथा के माध्यम से बच्चों को माता-पिता और गुरुजनों के सम्मान की प्रेरणा दी। संस्था के संयोजक पवन गोयल ने मंच संचालन करते हुए बच्चों को भाई दूज पर्व के महत्व की जानकारी दी। वहीं, ट्रस्ट के सचिव अजेश गुप्ता ने पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता पर बच्चों को उपयोगी संदेश दिए। ट्रस्ट के चेयरमैन हरि प्रकाश गुप्ता ने बताया कि संस्था पिछले 20 वर्षों से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को निशुल्क शिक्षा प्रदान कर रही है।

गुरुद्वारा बाबा सोमा शाह में बंदी छोड़ दिवस मनाया

रोहतक। सिख समुदाय के लिए आध्यात्मिक आज़ादी और करुणा का प्रतीक बंदी छोड़ दिवस स्थानीय डीएलएफ कॉलोनी स्थित गुरूद्वारा बाबा सोमा शाह में समूह संगत द्वारा धूमधाम से मनाया गया। श्रद्धालुओं ने दरबार साहिब में मत्था टेक कर सुख शांति की अरदास की। हेड ग्रंथी भाई गुरजीत सिंह ने बंदी छोड़ दिवस के पावन अवसर पर संगत को शुभकामनाएं दी । उन्होंने मन के विकारों को दूर कर सच्ची मुक्ति की अरदास करने का आह्वान किया। हजूरी रागी बीबा मनजोत कौर ने अपनी मधुर वाणी में वडी आरज़ा हर गोबिंद की, सतगुरू बंदी छोड़ है और हर जियो हर जियो निमानिया तू मान सहित अन्य शब्द गाकर गुरू की महिमा का बखान किया और संगत को निहाल किया।

एमडीएन पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया दीपावली महोत्सव

■ विद्यालय साज-सज्जा, उत्साह और छात्रों की रचनात्मकता से आलोकित हो उठा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। एमडीएन पब्लिक स्कूल में दीप महोत्सव में भाग लेते विद्यार्थी।

एमडीएन पब्लिक स्कूल में दीपों का पर्व 'दीपावली' बहुत हर्षोल्लास, सौहार्द एवं सृजनशील वातावरण में मनाया गया। विद्यालय प्रांगण साज-सज्जा, उत्साह और विद्यार्थियों की रचनात्मकता से आलोकित हो उठा। इस अवसर पर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को दृष्टिगत रखते हुए कक्षा-वार एवं लीग-वार प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनके माध्यम से "हरित एवं सुरक्षित दीपावली" का संदेश प्रभावी रूप से प्रसारित हुआ।

इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मोमबत्ती-दीया सजावट, "बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट", "नो फायर कुकिंग", पोस्टर मेकिंग, जैसी विविध प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रत्येक गतिविधि का उद्देश्य रचनात्मकता व पर्यावरणीय चेतना को प्रोत्साहित करना रहा। लीग-वार प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट टीम भावना एवं सहयोग की भावना का परिचय दिया। प्रत्येक लीग ने सृजनात्मकता व सौंदर्यबोध से परिपूर्ण प्रस्तुतियां दीं। करेज लीग ने डिस्प्ले बोर्ड सजावट एवं रंगोली सजावट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

प्रोफेसर बलजीत सिंह की याद में रक्तदान शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। आयोजित शिविर में रक्तदाताओं को बैज लगाते कुलपति डा एचके अग्रवाल।

स्वर्गीय प्रोफेसर बलजीत सिंह की पुण्यतिथि पर उनके छोटे भाई तारीफ सिंह नांदल व उनके परिजनों द्वारा आठवें रक्तदान शिविर व भंडारे का आयोजन पीजीआई विश्राम सदन प्रांगण में किया।

इस अवसर पर मुख्यातिथि के तौर पर स्वास्थ्य विज्ञान विश्विद्यालय के माननीय कुलपति डॉ एचके अग्रवाल, पीजीआई निदेशक डॉ सुरेश सिंघल ने शिरकत कर स्वर्गीय बलजीत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कुलपति ने हर साल होने वाले इस पुण्य आयोजन के लिए तारीफ सिंह नांदल व उनके परिजनों की प्रशंसा करते हुए बताया कि रक्तदान जीवनदान है। आपके द्वारा किये गये रक्तदान से किसी की जान बच सकती है। पीजीआई निदेशक डॉ सिंघल ने कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति को हर तीन महीने बाद रक्तदान करना चाहिए। गौकर्ण डेरे के महंत बाबा कपिल पुरी ने विशेष तौर पर शिरकत कर रक्तदान शिविर व भंडारे में उपस्थितजनों को पावन आशीर्वाद दिया व तारीफ सिंह नांदल को इस आयोजन को नियमित रखने के लिए आदेशित किया।

चार दिवसीय छठ महापर्व की तैयारी, संस्थाओं को दिया निमंत्रण

छठ घाट पर तीन रंगों की लाइटें लगना शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

चार दिवसीय छठ महापर्व के लिए पूर्वांचल एकता सेवा समिति के सभी पदाधिकारियों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। समिति द्वारा शहर के उद्योगपतियों, प्रतिष्ठित राजनेताओं, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं को निमंत्रण दिया गया। आमंत्रित गणमान्य अतिथियों में राजेश जैन, सांसद दीपेंद्र हुड्डा, विधायक बीबी बतरा, कलानौर विधायक शकुंतला खटक, महम के विधायक बलराम दांगी, भाजपा नेता पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, मेयर राम अवतार वाल्मीकि, भाजपा जिला अध्यक्ष रणवीर ढाका आदि प्रमुख लोग शामिल हैं। इस वर्ष छठ महापर्व को लेकर विशाल तैयारी प्रारंभ हो चुकी है। आज से ही छठ घाट पर तीन रंगों की लाइटें लगाई जा रही हैं तथा घाटों की रंग-रोगन का कार्य भी शुरू हो गया है।

रोहतक। छठ महापर्व को लेकर तैयारी करते ।

रोहतक। छठ महापर्व के लिए भाजपा नेता पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर निमंत्रण देते पूर्वांचल एकता सेवा समिति के पदाधिकारी।

घाटों के दोनों ओर होगी सजावट

घाटों के दोनों ओर बंगाली पंडाल कलाकारों द्वारा सुंदर सजावट की जाएगी। इस बार दिल्ली बाईपास पुल के नीचे से लेकर सेक्टर 2 की पुलिया तक लाइटिंग की जाएगी। लगभग 100 से अधिक स्पीकर लगाए जाएंगे। प्रशासन द्वारा सुरक्षा की पूरी तैयारी की गई हैं। महिला पुलिस, कमांडो, यातायात पुलिस, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड, बायो टॉयलेट, नहर में नाव एवं नाविकों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। जो श्रद्धालु खरना व्रत छठ घाट पर करना चाहते हैं, उनके लिए भी विशेष प्रबंध किए गए हैं। सापला, कलानौर, बेरी, महम सहित आसपास के क्षेत्रों से आने वाले भक्तों के लिए पूर्वांचल एकता सेवा समिति ने रहने एवं भोजन की पूर्ण व्यवस्था की है। इस महापर्व को सफल बनाने में शहर के तमाम अधिकारी सहयोग कर रहे हैं। छठ घाट पर सुबह से शाम तक श्रद्धालुओं का आना-जाना प्रारंभ हो चुका है। समिति के प्रधान संजीव सिंह ने अपने सभी साथियों के साथ मिलकर छठ महापर्व को सफल बनाने के लिए एक टीम का गठन किया है, जिसमें दिनेश सिंह, पप्पू सिंह, आचार्य ब्रजकिशोर शास्त्री, कपिल देव, किशोर कुमार, योगेंद्र, मंटू, राम इकबाल राय, सुरेश यादव, रमाकांत यादव, मंजय शर्मा, मनोज, तथा नरेंद्र भारद्वाज आदि सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।

उद्योग जगत व विश्वविद्यालय मिलकर रचेंगे हरियाली की नई कहानी

गुलदाउदी की महक से महकेगा एमडीयू

रोहतक के तीन प्रमुख उद्योगपतियों ने बढ़ाया सहयोग, हजारों रंग-बिरंगे फूलों से सजेगा विश्वविद्यालय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) इस सर्दी एक नई रंगीन छटा में नजर आने वाला है। विश्वविद्यालय परिसर की फिजाओं में गुलदाउदी और अन्य मौसमी फूलों की खुशबू घुलने को तैयार है। एमडीयू के दयानंद वाटिका में तैयार किए गए हजारों फूलों के पौधे अब परिसर की सुंदरता को नया जीवन देने जा रहे हैं। खास बात यह है कि इस पहल में उद्योग जगत भी विश्वविद्यालय के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहा है, जिससे शिक्षा और समाज के बीच सहयोग की नई मिसाल बन रही है।रोहतक के तीन प्रमुख उद्योगपति विश्वविद्यालय की सुंदरता में चार-चांद लगाने के लिए आगे आए हैं।

निखार इंडस्ट्री प्रमुख उद्योगपति राजेंद्र बंसल ने मातु राम यज्ञशाला से गेट नंबर-1 तक सेंट्रल विस्टा पर विभिन्न रंगों के फूलों की पौध डोनेट करने की जिम्मेदारी ली है, इस कड़ी में आज फूलों की प्यौध की दो गाड़ियां आज उद्योगपति राजेंद्र बंसल ने दयानन्द वाटिका में भिजवाई। होली हार्ट हॉस्पिटल और द पेज को देख रहे उद्योगपति अंकुर बत्रा गेट नंबर-2 से गर्ल्स हॉस्टल कॉम्प्लेक्स तक के मार्ग को रंगीन फूलों से सजाने का पूरा खर्च वहन करेंगे। वहीं एलपीएस बोसार्ड के प्रमुख उद्योगपति राजेश जैन खेल परिसर में बन रहे नए गेट से लेकर खेल मैदान तक की सड़क के दोनों ओर हरियाली और फूलों की पौध लगाने में अपना योगदान देंगे। यह पहल विवि की हरियाली को नया आयाम देने के साथ-साथ उद्योग और शिक्षा जगत के संबंधों को भी मजबूत करेगी।

कुलपति ने पहल की सराहना की

कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि प्रकृति और शिक्षा का संबंध गहरा है। जब परिसर हरा-भरा और सुंदर होता है, तो यह विद्यार्थियों की रचनात्मकता और सोच को भी समृद्ध करता है। उद्योग जगत द्वारा इस दिशा में दिया गया सहयोग प्रशंसनीय है।

यह साझेदारी एमडीयू को और जीवंत, आकर्षक और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाएगी। उन्होंने आगे कहा कि हमारा लक्ष्य है कि एमडीयू हर मौसम में हरियाली और रंगों की मिसाल बने। आने वाले विद्यार्थी जब इस विश्वविद्यालय में कदम रखें, तो उन्हें एक प्रेरक और सकारात्मक वातावरण मिले।

3000 पौधे तैयार, आकर्षक फूलों की बहार भी देखने को मिलेगी

बता दें कि दयानन्द वाटिका में राजकुमार माली ने इस बार करीब 3000 गुलदाउदी के पौधे तैयार किए हैं, जिन्हें एफडीसी, सचिवालय, फैकल्टी हाउस, लाइब्रेरी, दयानंद वाटिका और अन्य प्रमुख स्थलों पर लगाया जाएगा। हॉर्टिकल्चर कंसलटेंट निरंजन कुमार और सुपरवाइजर कंवलजीत इस परियोजना की निगरानी कर रहे हैं। इस वर्ष एमडीयू परिसर में पिटुनिया (नीला, बरगंडी, व्हाइट, रेड, येलो), साल्विया रेड, पैंजी, इंपेशन, डिएन्थस और मेरीगोल्ड जैसे आकर्षक फूलों की बहार भी देखने को मिलेगी। फरवरी और मार्च में जब ये फूल अपनी पूरी खिलावट पर होंगे, तब एमडीयू का हर कोना रंग, खुशबू और सुंदरता से सराबोर होगा। निस्संदेह, एमडीयू केवल ज्ञान का केंद्र नहीं, बल्कि प्रकृति, सौंदर्य और सामाजिक सहयोग का भी प्रतीक बनकर उभर रहा है, एक ऐसा विश्वविद्यालय जो हरियाली में सुकून और शिक्षा में संस्कार दोनों का संगम प्रस्तुत करता है।

पौधे विश्वविद्यालय की आत्मा का हिस्सा

विवि का हॉर्टिकल्चर विभाग, जिसकी जिम्मेदारी इस वर्ष प्रो. दीपक कौशिक संभाल रहे हैं, पूरे अभियान का संचालन कर रहे हैं। इससे पूर्व निदेशक हॉर्टिकल्चर का कार्यभार बेहतर ढंग से प्रो विनीता हुड्डा ने उठाया था। बागवानी में विशेष रुचि रखने वाले प्रो. कौशिक ने बताया कि हर पौधा विवि की आत्मा का हिस्सा है। एमडीयू की पहचान केवल शिक्षा और शोध तक सीमित नहीं, बल्कि यह प्रकृति के संरक्षण और सौंदर्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है।विश्वविद्यालय के निदेशक कैंपस फॉरेस्ट्री प्रो. सुरेंद्र यादव के नेतृत्व में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए तीन पखवाड़ों में इस वर्ष- एक पौधा दिव्यांगों के नाम, एक पेड़ मां के नाम और दो पेड़ नशा मुक्त घर के नाम जैसे सामाजिक संदेश देने वाले अभियान चलाए जा चुके हैं। कुलपति द्वारा शुरू किये गए नशा मुक्त घर अभियान की पहल की सराहना केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने एमडीयू की तिरंगा यात्रा के दौरान की थी। इस पहल को पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भी सराहा जा चुका है। एमडीयू को वर्ष 2018 में स्वच्छता रैंकिंग में देशभर में प्रथम स्थान भी प्राप्त हुआ था और 2020 ग्रीन मेंटर अवार्ड से नवाजा गया था, जो विश्वविद्यालय की पर्यावरणीय प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

खबर संक्षेप

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रही लाडो लक्ष्मी

रोहतक। अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने बताया कि सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना की जिला में लगभग 65 हजार लाभार्थी महिलाएं पाई गई है, जिनमें से 24 हजार महिलाओं का फॉर्म भरने का कार्य पूरा हो चुका है। शेष लाभार्थी 25 अक्तूबर 2025 तक अपना फॉर्म अवश्य भर लें ताकि एक नवंबर 2025 से उन्हें 2100 का लाभ मिलना शुरू हो सके।

सिटी मजिस्ट्रेट से मिला रोडवेज कर्मी शिष्टमंडल

रोहतक। हरियाणा रोडवेज कर्मचारी तालमेल कमेटी रोहतक डिपो का शिष्टमंडल वीरवार को सिटी मजिस्ट्रेट से मिला और डिपो में सहायक लेखा अधिकारी की नियुक्ति करवाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। शिष्टमंडल में सुमेर सिवाच, दिनेश हुड्डा, अमित महराणा, सुरेश नेहरा, नरेश सिवाच, मनजीत कौर, संदीप खोखर, जोगेंद्र ढुल और सुमेश कुंडू शामिल रहे। यूनियन नेताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट को बताया कि पिछले चार महीनों से रोहतक डिपो में आरएसओ और एओ के पद खाली पड़े हैं।

कहासुनी की वजह से चली आ रही थी रंजिश, रात को हुआ दोहरा हत्याकांड

फतेहपुरी कालोनी में हुए हत्याकांड के बाद तनाव, पुलिस ने चार को पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

फतेहपुरी कॉलोनी में हुए दोहरे हत्याकांड के दूसरे दिन भी तनाव का माहौल बना हुआ है। जिसे देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है। दोनों पक्षों के मकान एक साथ सट कर बने हुए हैं, जिसकी वजह से पुलिस सतर्कता बरत रही है। पुलिस ने दोनों युवकों के शवों का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया। वहीं दोनों पक्षों के चार सदस्यों को संदिग्ध मानते हुए पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। एसपी सुरेंद्र भौरिया खुद पूरे मामले पर नजर रखे हुए हैं। जांच टीम आरोपियों की धरपकड़ के लिए भी प्रयास कर रही है। अब तक की जांच में पता चला है कि करीब छह साल पहले मनीष और सुमित के पिता के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। इसके बाद से ही दोनों पक्षों में विवाद चल रहा था। जबकि आज तक किसी पक्ष ने पुलिस को शिकायत तक नहीं दी थी।

जानकारी के अनुसार, मनीष पुत्र भूप सिंह और सुमित के पिता विरेंद्र के बीच कई साल से विवाद चल रहा है। इसी के तहत मनीष ने बुधवार की रात सुमित के घर के पास पहुंच कर धमकी देनी शुरू कर दी। सुमित और उसके परिजन बाहर आए तो मनीष ने लाइसेंसी पिस्तोल से सुमित की छाती में गोली मार दी। सुमित को उपचार के लिए पीजीआई ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। आरोप है कि सुमित के परिजनों ने घटना से गुस्साकर मनीष की लाठी डंडों और तेजधार के हथियार से हत्या कर दी।

फतेहपुरी कॉलोनी में हुई दुखद घटना के बाद से दोनों परिवार गहरे सदमे में हैं। सुमित का अंतिम संस्कार गांव धामड़ में जबकि मनीष का संस्कार फतेहपुरी कॉलोनी में किया गया।

मनीष

सुमित

आपसी रंजिश के केसों की होगी पड़ताल

पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भौरिया ने बताया कि पुलिस द्वारा जिले में चल रहे आपसी रंजिश की सभी मामलों का अध्ययन किया जाएगा। आपसी रंजिश वाले मामलों में दोनों पक्षों के साथ वार्ता की जाएगी तथा उनपर नजर भी रखी जाएगी। इसके अतिरिक्त अगर आवश्यकता पड़ी तो मामलें में सख्त निवारक कार्यवाही भी की जाएगी ताकि आगे आने वाले समय में इस प्रकार की वारदात घटित न हो सके।

इसलिए बढ़ा विवाद

कई साल पहले हुई कहासुनी के बाद सुमित का परिवार यहां से रेवाड़ी रहने चला गया था। लेकिन दो ढाई माह रहने के बाद परिवार यहां वापिस आकर रहने लगा। मनीष का घर सुमित के घर के ठीक पीछे ही है। इस दौरान मनीष ने सुमित के मकान के साथ सटाकर मकान बना लिया। जिसके बाद कई बार विवाद होता रहा। इसी वजह से बुधवार की रात ज्यादा विवाद हो गया और दो जान चली गई।

दोनों परिवारों में पसरा मातम

मनीष के पास चार बेटी और एक बेटा है। वह तीन भाई हैं। जबकि माता पिता नहीं हैं। जबकि सुमित अविवाहित था। वह दो भाई और एक बहन हैं। सुमित के माता पिता साथ रहते हैं। एक साथ हुई दो मौतों से दोनों परिवार गहरे सदमे में हैं। सुमित का अंतिम संस्कार गांव धामड़ में जबकि मनीष का संस्कार फतेहपुरी कॉलोनी में किया गया।

वाहन चालकों को किया जागरूक

यातायात पुलिस ने 50 वाहनों पर लगाई रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जिला पुलिस ने कोहरे के समय वाहनों को हादसों से बचाने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। आने वाले दिनों में कोहरे की वजह से हादसे न हो, इसलिए प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी के तहत सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान चलाया जाएगा। जिसके तहत यातायात पुलिस ने करीब 50 वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाई।

अभियान की शुरुआत वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाकर शुरु की गई। इस दौरान प्रभारी यातायात निरीक्षक प्रशांत, प्रभारी यातायात निरीक्षक जसबीर, यातायात मुंशी एएसआई राजेश ने बड़े वाहनों पर रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाई व वाहन चालको को आगे होने वाली धुंध के दौरान वाहन चलाते समय सक्रियता बरतते हुए यातायात के सभी नियमों का पालन करवाने के लिए जागरुक किया। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों की पालना करना हम सभी की नैतिक व मौलिक जिम्मेवारी है। हम अपनी जिम्मेवारी निभा कर सड़क के सफर को सुरक्षित बना सकते हैं।

इन बातों का रखना होगा ध्यान

- *धुंध/कोहरे में वाहन चालक यह सुनिश्चित करें कि वाहनों की हेड लाइट, टेल लाइट, फॉग लाइट सहित इंडिकेटर, ब्रेक, टायर, विंडस्क्रीन वाइपर, बैटरी व कार हीटिंग सिस्टम सही तरीके से काम कर रहे हैं।*
- *धुंध के दौरान यात्रा करते समय वाहन चालक लो-बीम हेड लाइट का इस्तेमाल करें।*
3. इंडिकेटर को भी ऑन रखें। कोहरे के कारण दृश्यता न्यून हो तो ऐसी स्थिति में फॉग लाइट को उपयोग अवश्य करें।
- *दृश्यता बेहद खराब होने की स्थिति में वाहन चालक सड़क पर पेंट की गई लाइन को गाइड के रूप में उपयोग करते हुए वाहन चलाएं।*
- *यातायात नियमों की पालना करें, नशे का सवेन कर वाहन न चलाए।*
- *वाहन की गति सीमा नियंत्रित रखें तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें।*
- *सीट बेल्ट व दोपहिया वाहनो पर हेलमेट का हमेशा प्रयोग करें।*

मच्छर जनित रोगों से बचाव के लिए लोगों को जागरूक कर रही स्वास्थ्य विभाग की टीम

महम। स्वास्थ्य विभाग की एक टीम मच्छर जनित रोगों से लोगों को बचाने के लिए शहर में जागरूकता अभियान चला रही है। उपमंडल नागरिक अस्पताल की यह टीम स्थानीय नागरिकों को बता रही है कि यदि पानी लंबे समय तक ठहरेगा तो वहां पर डेंगू व चिकनगुनिया मच्छर के लारवा पनपेंगे। फ्रीज की ट्रे में, कूलर में और छतों व खुले में रखे सामान और टायरों में बारिश का पानी जमा हो जाता है, इन जगहों की सफाई न होने पर यह यहां मच्छर पनपने लगते हैं। हेल्थ इंस्पेक्टर सुनील कुमार अहलावत के नेतृत्व में किए गए निरीक्षण के दौरान दो प्रतिष्ठानों पर डेंगू फैलाने वाले मच्छरों का लार्वा पाया गया। टीम इंचार्ज ने कहा लार्वा मिलना इस बात का संकेत है कि इन स्थानों पर मच्छर के प्रजनन के लिए अनुकूल स्थितियां मौजूद थीं, जो आसपास के क्षेत्र में डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के खतरे को बढ़ाती हैं। सुनील कुमार अहलावत ने बताया कि लार्वा पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान मालिकों को नोटिस जारी कर चेतावनी दी गई है कि वे तत्काल जलजमाव को खत्म करें और साफ-सफाई सुनिश्चित करें।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

निदेशक कार्यालय और बेसिक डिपार्टमेंट्स का निरीक्षण किया

पीजीआई निदेशक ने कर्मियों को दिया जोश के साथ काम करने का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. एसके सिंघल ने गुरुवार सुबह निदेशक कार्यालय और कॉलेज के बेसिक डिपार्टमेंट्स का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कार्य में सुधार के लिए प्रेरित किया।

निदेशक डॉ. एसके सिंघल ने कहा कि अक्सर लंबे अवकाश के बाद कर्मचारियों में सुस्ती की भावना देखी जाती है। ऐसे में मेरा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी कर्मचारी समय पर और पूरे जोश के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाएं। उन्होंने जोर देकर कहा, समय पर ड्यूटी पर उपस्थित होना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

सहयोग की अपील

डॉ.एसके सिंघल ने कर्मचारियों को अपने कार्यों को तय समय पर पूरा करने के निर्देश देते हुए अपने कार्यालयों में साफ-सफाई और व्यवस्थित कार्य स्थल बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने आपसी सहयोग और संवाद में सुधार लाने की अपील करते हुए आम आदमी का कार्य प्राथमिकता पर पूरे करने के आदेश दिए। जनसंपर्क विभाग के इंचार्ज डॉ. वरूण अरोड़ा ने निदेशक डॉ. एसके सिंघल के इस कदम की सराहना की और आश्वस्त किया कि वे निर्देशों का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंघल का यह दौरा हमें और अधिक जिम्मेदार बनने के लिए प्रेरित करता है।

एमडीयू में बैठक आयोजित

रजिस्ट्रार डॉ. कृष्णकांत ने दिए अनुशासन और दक्षता के निर्देश

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) में विभिन्न कार्यालयों और शाखाओं में कार्यकुशलता बढ़ाने तथा परिणाम आधारित कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. कृष्णकांत ने की। इसमें उप-कुलसचिव, सहायक-कुलसचिव एवं अधीक्षक स्तर तक के विभिन्न शाखाओं के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में रजिस्ट्रार डॉ. कृष्णकांत ने कहा कि कार्यालयों की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी और समयबद्ध बनाना सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी कर्मी समय पर अपने-अपने कार्यालयों में उपस्थित रहें और अनुशासन पूर्वक कार्य करें। डॉ. कृष्णकांत ने विशेष रूप से फाइलों के निपटान पर जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक फाइल को नियमानुसार प्रोसेस में चलाया जाए और शाखा अधिकारी अपनी स्पष्ट रेकमेंडेशन के साथ फाइल्स अग्रेषित करें।

नहर से एकत्रित देवी देवताओं की प्रतिमाओं को जींद के धाम भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

सुनो नहरों की पुकार मिशन द्वारा नहरों के अंदर व पुलों से एक माह में एकत्रित की गई देवी देवताओं की बड़ी-बड़ी प्रतिमाओं, मूर्तियों और छोटे मंदिरों को जींद जिले के एक धाम में गाड़ी भरकर भेजा गया ताकि नहरों का जल भी प्रदूषण मुक्त रहे और हमारी आस्था का भी सम्मान बना रहे।

सुनो नहरों की पुकार मिशन के संस्थापक मुख्य संरक्षक डॉ जसमेर सिंह ने बताया कि हमारे मिशन के सदस्य प्रतिदिन नहरों के पुलों पर खड़े होते हैं और श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की निर्मालय सामग्री, मूर्तियां, तस्वीरें या मंदिर इत्यादि समान को नहरों के जल में डालने से रोकते हैं। सारे सामान को एकत्रित करके उसका प्रतिदिन भूमि विसर्जन कर देते हैं। सभी तस्वीरों और मूर्तियों को जींद जिले के एक धाम में भेज देते हैं जहां पर वहां के सेवक इन सभी का पूजा पाठ के साथ शुद्धिकरण करके चूरा बनाकर इस सामान की ईंट बना देते हैं। जिसे देश में कहीं मंदिर बनता है तो उसकी नींव में लगवा देते हैं ताकि आस्था का आस्था से मिलान हो और पानी का प्रदूषण भी ना हो।

सामग्री में एक महीने में एकत्रित की गई

मिशन के महासचिव मुकेश नानकवाल ने बताया कि भेजी गई सामग्री में पिछले एक महीने में एकत्रित की गई देवी देवताओं की बड़ी-बड़ी तस्वीरें और प्रतिमाएं ज्यादा रही जो की नहरों के पानी में जाने से रोकी गई थी। उन्होंने कहा कि लोगों की आस्था को ध्यान में रखते हुए किसी भी प्रकार के पूजा पाठ से संबंधित सामान का निरादर नहीं किया जाता श्रद्धालु बिना किसी संकोच दिल्ली बाईपास के नजदीक नहरों के पुलों के पास बनाए गए स्थान पर इस सामान को रखकर जा सकते हैं। मिशन के वरिष्ठ सदस्य धावक रणवीर सिंह मलिक ने कहा कि हम सभी इस बात का ध्यान रखते हैं कि किसी भी प्रकार से किसी की आस्था का निरादर ना हो। सेवा कार्य में डॉ जसमेर सिंह, अजय हुड्डा, डॉ रविंद्र नांदल, ईश्वर सिंह दलाल, रणवीर सिंह मलिक, अशोक मलिक, डॉ संतलाल बुधवार, करण सिंह , जतिन मलिक, बबीता पन्नू, डॉ किरण, सिद्धांत पन्नू, देवेंद्र हुड्डा, गौरव मलिक ,पवन कुमार, पंडित मोनू, पवन, साहिल और अंकुश आदि ने सहयोग दिया।

लघु सचिवालय स्थित सभागार में समाधान शिविर आयोजित

सीटीएम ने सुनीं शिकायतें, अधिकारियों को निपटारे के दिए निर्देश

हर सोमवार और वीरवार को शिविर आयोजित किए जा रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

वीरवार को समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतों की सुनवाई की गई तथा मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को इन शिकायतों के शीघ्र निपटारे के निर्देश दिए गए। प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार सप्ताह के हर सोमवार व वीरवार को समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे है। लघु सचिवालय स्थित सभागार में समाधान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें नगराधीश अंकित कुमार ने डीएमसी जितेंद्र सिंह के साथ नागरिकों की शिकायतें सुनी। उन्होंने शिकायतों की सुनवाई करने के दौरान मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को इन शिकायतों के शीघ्र निपटारे के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर नागरिक की शिकायत के एक छत के नीचे तुरंत समाधान के उद्देश्य से सोमवार व वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक जिला मुख्यालय एवं उपमंडल मुख्यालयों पर समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे है।

रोहतक। शिविर में नागरिकों की शिकायते सुनते नगराधीश अंकित कुमार।

निपटारे की वर्चुअली निगरानी की जा रही

सीटीएम ने कहा कि अधिकारी समाधान शिविरों में प्राप्त हो रही हर शिकायत का यथाशीघ्र उचित निपटारा करें। सरकार द्वारा इन शिविरों में शिकायतों के निपटारे की वर्चुअली निगरानी की जा रही है तथा प्रत्येक शुक्रवार को शिकायतों के निपटारे की समीक्षा भी की जाती है। उन्होंने समाधान शिविरों के निपटारे की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे लंबित शिकायतों का तुरंत उचित निपटारा करवाएं। शिविर में जनस्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता संजीव कुमार, सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता राजेश भारद्वाज, जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक वरिंद सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी दीपिका सैनी, उप जिला शिक्षा अधिकारी राजबाला, जिला सैनिक व अर्धसैनिक कल्याण अधिकारी विंग कमांडर गौरिका सुहाग, एलडीएम महाबीर प्रसाद, भाजपा के प्रतिनिधि एडवोकेट अंकुश बिड्डू सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।